B-3
L-18
Indian Society

18-12-2023

भारत में साम्प्रदायिकता को रोकने हेतु सुझाव

1. धर्मनिरपेक्षता को एक मजबूत विचारधारा के रूप में स्थापित किया जाये और उस दिशा में कार्य करने हेतु मीडिया, NGO एवं युवाओं को प्रोत्साहित किया जाये।
2. सभी धार्मिक समूहों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान के द्वारा उनको एक दूसरे के निकट लाया जाये और उनमें भाईचारा या हम सब एक हैं की भावना का विकास किया जाये।
3. साम्प्रदायिक मानसिकता रखने वाले व्यक्ति, नेता, राजनीतिक दल एवं संगठनों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाये।
4. दोष निवारक उपाय / एजेंसी- जैसे पुलिस, सेना तथा न्याय व्यवस्था को तटस्थ सक्रिय एवं संवेदनशील बनाया जाये। (सच्चर कमेटी)
5. अफवाहों पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु सोशल मीडिया को नियंत्रित किया जाये।
6. मुस्लिमों के सामाजिक एवं शैक्षणिक समस्याओं का समाधान किया जाये (सच्चर कमेटी)।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Your Trusted Learning Platform
KHAN SIR

7. बहुसंख्यकों को अल्पसंख्यकों के प्रति उत्तरदायित्व-पूर्ण भूमिका के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाये।

संभावित प्रश्न-

1. भारत में साम्प्रदायिकता के उन्मूलन हेतु किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए और इस दिशा में उपयुक्त सुझाव दीजिए।

2. भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या को दर्शाइए। इसने किस प्रकार सामाजिक/सामुदायिक सौहार्द्रता को कमजोर किया है? स्पष्ट कीजिए।

3. भारत में साम्प्रदायिकता के धर्मनिरपेक्षता विरोधी रूपों की चर्चा कीजिए और भारत में धर्मनिरपेक्षता को सफल बनाने हेतु उपाय सुझाइए।

4. भारत में साम्प्रदायिकता के उद्भव एवं विकास में वस्तीकरण की भूमिका पर विचार कीजिए।

5. साम्प्रदायिकता की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए और भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या के लिए उत्तरदायी कारणों की चर्चा कीजिए।

6. यद्यपि साम्प्रदायिकता धर्म से गहरे रूप से जुड़ी प्रतीत होती है, परन्तु साम्प्रदायिकता का

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

मूल सरोकार राजनीति से है, धर्म से नहीं।"
चर्चा कीजिए।

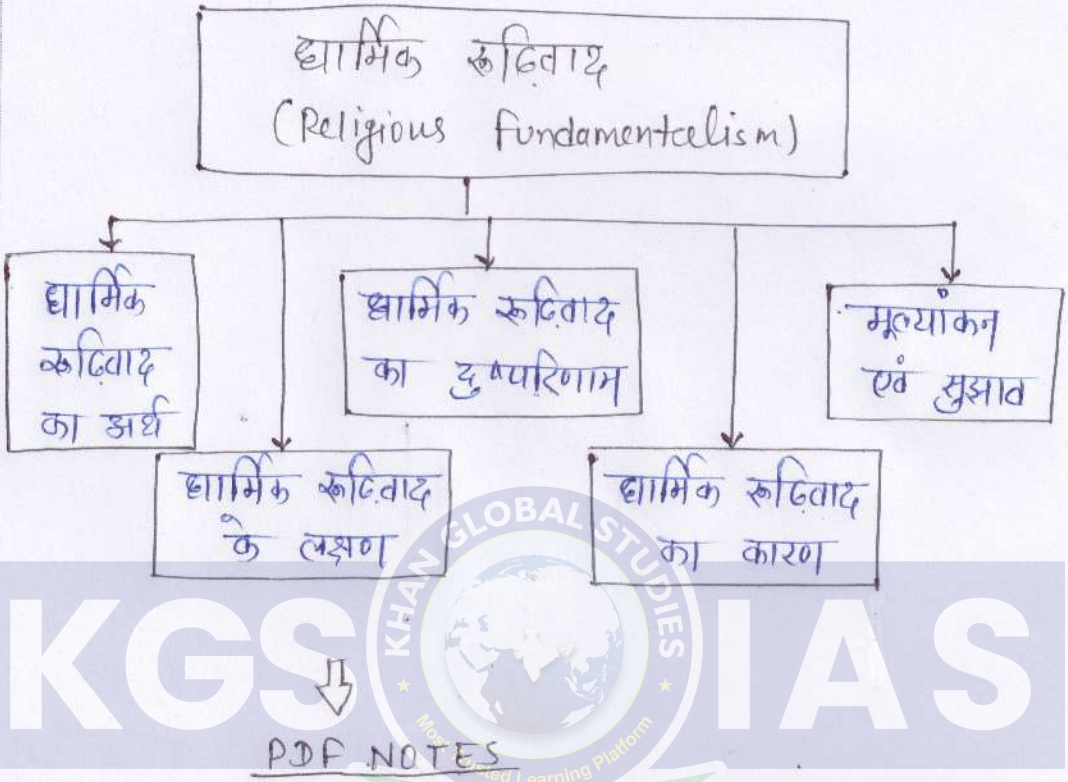

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇩

PDF NOTES